जनसुनवाई या अफसरशाही? कलेक्टर का दौरा सवालों के घेरे में

घंटों इंतजार, अव्यवस्थाओं से जूझते रहे ग्रामीण; शिकायतें फिर उसी स्थानीय प्रशासन को सौंपने पर उठे सवाल

सिवनी नवभारत। जिले के केवलारी में आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना था, लेकिन कार्यक्रम के दौरान सामने आई अव्यवस्थाओं, शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया और मीडिया कवरेज पर लगाए गए कथित प्रतिबंध ने पूरे आयोजन को विवादों के केंद्र में ला दिया। ग्रामीणों ने इसे राहत की बजाय औपचारिकता बताया, जबकि मीडिया प्रतिनिधियों ने पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े किए।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम आम नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने तथा लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, लेकिन केवलारी में आयोजित इस जनसुनवाई की तस्वीरें और अनुभव कई गंभीर सवाल छोड़ गए। कार्यक्रम में पहुंचे बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने व्यवस्थाओं पर नाराजगी जताई और आरोप लगाया कि उन्हें घंटों तक परेशान होना पड़ा, जबकि समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर आए अधिकांश लोगों को निराशा ही हाथ लगी।

ग्रामीणों के अनुसार कार्यक्रम स्थल पर भीड़ तो थी, लेकिन उसके अनुरूप व्यवस्थाएं नहीं थीं। लोगों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था

जनसुनवाई कक्ष में मीडिया की वीडियो रिकॉर्डिंग पर रोक पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर नई बहस छिड़ी

नहीं थी, पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा का भी अभाव रहा और कई बुजुर्ग, महिलाएं तथा दूर-दराज़ से आए ग्रामीण लंबे समय तक खुले में जिला कलेक्टर के आने का इंतजार करते रहे। कलेक्टर के पहुंचने के बाद भी शिकायत दर्ज कराने के लिए पहले टोकन लेना पड़ा और फिर लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। इससे लोगों में असंतोष साफ दिखाई दिया।

जनसुनवाई में पहुंचे कई शिकायतकर्ताओं ने बताया कि वे स्थानीय स्तर पर महीनों से चक्कर काट रहे थे और स्थानीय अधिकारियों से समाधान नहीं मिलने के कारण सीधे जिला कलेक्टर के समक्ष अपनी बात रखने पहुंचे थे। उनका आरोप है कि शिकायतें सुनने के बाद अधिकांश मामलों को जांच एवं निराकरण के लिए फिर उसी स्थानीय प्रशासन के पास भेज दिया गया, जिसके खिलाफ वे शिकायत लेकर आए थे। इससे लोगों के मन में यह सवाल उठने लगा कि यदि शिकायतें अंततः

नहीं मिली वीडियो बनाने की अनुमति

ग्रामीणों ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर आयोजित जनसुनवाई से उन्हें उम्मीद थी कि जिला प्रशासन सीधे हस्तक्षेप करेगा और गंभीर मामलों में मौके पर ही प्रभावी निर्देश जारी होंगे। लेकिन अधिकांश शिकायतकर्ताओं का अनुभव इससे अलग रहा। कई लोगों ने कहा कि उन्हें केवल आवेदन जमा करने और आगे कार्रवाई का आश्वासन देकर वापस भेज दिया गया। कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों का यह भी कहना था कि एक ओर आम लोग अपनी बारी का इंतजार करते हुए घंटों कतारों में खड़े रहे, वहीं दूसरी ओर अधिकारी कुर्सियों पर बैठकर औपचारिक प्रक्रिया पूरी करते रहे। इससे लोगों में यह भावना बनी कि जनसुनवाई आम नागरिकों की सुविधा से अधिक प्रशासनिक औपचारिकता बनकर रह गई है। इस जनसुनवाई के दौरान एक और मुद्दा चर्चा का विषय बना। कार्यक्रम की कवरेज के लिए पहुंचे मीडिया प्रतिनिधियों ने जब जनसुनवाई कक्ष के भीतर चल रही कार्यवाही का वीडियो रिकॉर्ड करने का प्रयास किया तो उनका कहना है कि उन्हें रोक दिया गया। मीडिया प्रतिनिधियों के अनुसार उन्हें यह कहा गया कि मैडम के निर्देश हैं कि वीडियो बनाने की अनुमति नहीं है।

उन्हीं अधिकारियों के पास भेजनी थीं तो फिर जिला स्तरीय जनसुनवाई का वास्तविक उद्देश्य क्या था? इस घटनाक्रम के बाद मीडिया जगत में भी सवाल उठने लगे। पत्रकारों का कहना है कि जनसुनवाई एक सार्वजनिक प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान और शासन-प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करना है। ऐसे में यदि मीडिया को कार्यवाही का वीडियो रिकॉर्ड करने से रोका जाता है तो इससे पारदर्शिता को लेकर स्वाभाविक रूप से प्रश्न खड़े होते हैं।

फिलहाल जनसुनवाई के दौरान सामने आए इन आरोपों और मीडिया द्वारा उठाए गए सवालों पर जिला प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ऐसे में अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन इन शिकायतों और उठे सवालों पर

> जानकारों का मानना है कि वर्तमान समय में शासन-प्रशासन लगातार ई-गवर्नेंस, डिजिटल मॉनिटरिंग और पारदर्शी व्यवस्था की बात करता है। न्यायालयों में भी कई कार्यवाहियों का लाइव प्रसारण और डिजिटल रिकॉर्डिंग जैसी व्यवस्थाएं लागू की जा रही हैं। ऐसे दौर में जनसुनवाई जैसे सार्वजनिक कार्यक्रम में मीडिया कवरेज पर कथित रोक का निर्णय कई सवालों को जन्म देता है। जनसुनवाई में पहुंचे लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन वास्तव में जनता की समस्याओं का समाधान चाहता है तो ऐसी बैठकों में केवल शिकायतें लेने तक सीमित न रहकर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर मूलभूत सुविधाएं, पारदर्शी व्यवस्था और शिकायतों के निष्पक्ष निराकरण की प्रभावी प्रणाली विकसित करनी होगी, ताकि लोगों का प्रशासन पर विश्वास मजबूत हो सके।

क्या स्पष्टीकरण देता है तथा भविष्य में जनसुनवाई की व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी बनाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

कॉलोनी में डंप किया जा रहा अनेक वार्डों का कचरा

सिवनी नवभारत। अनेक वार्डों में स्थित कॉलोनिया इस समय आमजन के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है देखा जा रहा है कि कहीं पर सदके टूटने के कारण चेहरे के चेचक के दाग की तरह प्रतीत होती हैं वहीं सड़क के बीच में क्रैक आने के कारण सरपाकार निर्मित होती हैं। इतना ही नहीं हाल ही में चंद्र घंटे की बारिश में ही इन कॉलेज में पड़े प्लांट जिम खरपतबार उग आए थे और वहां पर गड्ढे होने के कारण बारिश का पानी जम गया है जिसके कारण यहां पर मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। यह स्थिति है टैगोर वार्ड के राजपूत कॉलोनी की सीवी रमन वार्ड के रामनगर कॉलोनी की और ऐसे अनेक वार्ड हैं जिम बनी हुई आरचीपुरम कॉलोनी भी शामिल है जहां पर लोगों के लिए रहना नरक की जिंदगी से काम नहीं है।

कालोनाईजरों द्वारा प्लाट बेचने के दौरान लोगों को सब जवाब दिखाए गए थे कि यहां पर गार्डन का निर्माण किया जाएगा लोगों को स्वच्छ हवा के लिए खुला परिसर होगा शुद्ध पेयजल के लिए व्यवस्था होगी लेकिन देखने में आ रहा है कि इन कॉलोनी में रहना वद से वदतर जिंदगी जीने से कम नहीं है। देखा गया कि चंद्रप्रभा नगर जो की बरघाट रोड के विद्युत विभाग के सामने स्थित है इस क्षेत्र में नगर पालिका द्वारा शहर का कचरा डंप किया जाता है और लंबे समय तक उठाओ ना होने के कारण सडन एवं गंदगी से लोग परेशान है लेकिन नगर पालिका को तो अपनी व्यवस्था से मतलब है आम जनता को हो रही परेशानी से उन्हें कोई सरोकार नहीं है। रामनगर कॉलोनी निवासी मनोज शर्मा एवं विनोद विश्वकर्मा ने बताया कि बारिश होने पर उनके घर के सामने पानी भर जाता है उन्होंने स्वयं यहां पर लाकर भराव किया

एक नजर में

दो पंचायत सचिवों और सीएमओ केवलारी को कारण बताओ नोटिस जारी

सिवनी। केवलारी में आयोजित जनसुनवाई के दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही सामने आने पर कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की सुनवाई के दौरान यह पाया गया कि मुख्यमंत्री संबल योजना के पात्र हितग्राहियों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध नहीं कराई गई। इस पर ग्राम पंचायत मुनगापार के सचिव श्री संजय सनोड़िया तथा ग्राम पंचायत भरवेली के सचिव श्री अरुण कुमार सांडिल्य को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार मुख्य नगर पालिका अधिकारी केवलारी चन्द्रकिशोर भांवरे को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

जघन्य एवं गंभीर अपराधों के प्रकरणों की कलेक्टर ने की समीक्षा

सिवनी। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्टर सभाकक्ष में जघन्य एवं गंभीर अपराधों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में लंबित जघन्य अपराध, गंभीर आपराधिक प्रकरण, धोखाधड़ी, महिला एवं बाल अपराध सहित अन्य संवेदनशील मामलों की बिंदुवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ऐसे सभी प्रकरणों में विभागों के मध्य प्रभावी समन्वय बनाए रखते हुए कार्रवाई करें।

संघर्ष से सफलता तक, गणेशगंज के आदित्य सैयाम का अग्निवीर में चयन

गणेशगंज नवभारत। दृढ़ संकल्प, अथक परिश्रम और देशसेवा के जज्बे ने ग्राम गणेशगंज के युवा आदित्य सैयाम को नई पहचान दिलाई है। भारतीय सेना की अग्निवीर भर्ती में उनके चयन से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है।

आदित्य सैयाम एक साधारण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आते हैं। उनके दादा श्री शिवप्रसाद सैयाम ग्राम कोटवार हैं, जबकि उनकी मां पूर्व सरपंच श्रीमती सियाबती राजेंद्र सैयाम समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी पहचान रखती हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद आदित्य ने

कभी अपने सपनों को कमजोर नहीं पड़ने दिया। बचपन से संघर्षों का सामना करते हुए उन्होंने कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर अग्निवीर में चयनित होकर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

आदित्य की इस उपलब्धि पर ग्राम गणेशगंज सहित आसपास के क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। परिवारजन ग्रामीणों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। ग्रामवासियों का कहना है कि आदित्य की सफलता ग्रामीण अंचल के युवाओं के लिए प्रेरणा है और यह सिद्ध करती है कि लगन, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर हर कठिन लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

जबलपुर रेलवे स्टेशन तक बिदा करने पहुंचे परिजन

उल्लेखनीय है कि एक तरफ परिवार के लाडले पुत्र का अग्निवीर भारतीय सेना में चयन की खुशी मनाई जा रही हैं, तो वही दूसरी और उसे अपने आंखों से ओझल होते देख परिजन सहित शुभचिंतकों की आंख भर आई यही नहीं उसे विदा करने लगभग 100 किलो मीटर का सफर तय करते हुए जबलपुर रेलवे स्टेशन तक पहुंचा पूरा परिवार साथ ही आदित्य के मित्रगण।

कम नहीं हो रहा शेर का आतंक, क्षेत्र में भय

धारनाकला नवभारत। आज फिर आतंकी शेर के हमले एक महिला बुरी तरह घायल हो गई ग्रामीण जनो के शोर शराबे के चलते आतंकी शेर ने महिला पर हमला करना तो छोड दिया किन्तु खेत मे बकरी चरा रही महिला की पालतू बकरी को जरूर शेर ने अपना शिकार बनाते हुए जंगल की ओर ले गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आष्टा के समीपी ग्राम आगरवाडा अंतरा पंचायत की महिला सुरमन बाई भलावी अपने खेत गई हुई थी तथा खेत के समीप ही अपनी बकरी चरा रही थी इसी बीच शेर ने अचानक हमला करते हुए महिला के पैर को बुरी तरह

नोच खाया गांव वालो के हल्ला करने पर शेर ने महिला को तो छोड दिया किन्तु किन्तु बकरी को उठाकर जंगल की ओर चला गया तत्काल वन विभाग को इस घटना की सूचना दी गई तथा महिला को उपचार के लिये बरघाट के सरकारी अस्पताल मे दाखिल किया गया है

इसके पूर्व भी जा चुकी है पाचं जाने

यहा यह बताना भी लाजिमी है बीते चंद माह मे आतंकी शेर के हमले पांच जाने जा चुकी है तथा परिवार को शासन की ओर से आठ लाख रूपये की सहायता राशि भी प्राप्त हो चुकी है वही शेर को पकडने के लिये वन विभाग द्वारा अनेको प्रयास भी किये जा चुके है किन्तु लम्बे समय से हो रही शेर के हमले की घटनाओ मे विराम नही लग पाया है जबकि परिवार को उचित मुआवजा को लेकर सडको पर चक्काजाम की स्थिति भी निर्मित हुई है इसके बाद सिवनी अस्पताल के लिए रिफर किया गया है।

11 से 14 जुलाई तक चलेगा आर्ट ऑफ लिविंग का हैप्पीनेस प्रोग्राम

सिवनी नवभारत। द आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा 11 से 14 जुलाई तक प्रातः 6ः30 बजे से 9ः00 बजे तक चार दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को तनावमुक्त, स्वस्थ, ऊर्जावान एवं प्रसन्न जीवन जीने की कला से परिचित कराना है।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को विश्वप्रसिद्ध सुदर्शन क्रिया, प्राणायाम, योग, ध्यान तथा जीवन को सकारात्मक बनाने वाले व्यावहारिक ज्ञान का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह कार्यक्रम मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक माना जाता है।

आर्ट ऑफ लिविंग के अनुसार नियमित अभ्यास से आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता में वृद्धि, तनाव, चिंता एवं नकारात्मक भावनाओं से राहत, मानसिक शांति एवं एकाग्रता में सुधार, निर्णय लेने की क्षमता का विकास, रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि, स्वस्थ एवं मधुर संबंधों का निर्माण, कार्य एवं पारिवारिक जीवन में बेहतर संतुलन तथा रचनात्मकता एवं सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है।

आयोजकों ने बताया कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी इच्छुक महिला एवं पुरुष इस कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। विश्वभर में करोड़ों लोगों ने सुदर्शन क्रिया का अभ्यास कर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का अनुभव किया है।

इच्छुक प्रतिभागी निम्न लिंक पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैंः https:/ /aolt.in/ 1035119 अधिक जानकारी एवं पंजीकरण हेतु संपर्क करेंः 7000386614 9309707393

पुल पर भरे डबरे पैदल छात्रों एवं राहगीरों के लिए बन रहे मुसीबत

छपारा नवभारत। नगर के एक भाग को दूसरे भाग से जोड़ने में अति महत्वपूर्ण चमरिया नाला पुल निर्माण हुए लगभग चार साल बीत चुके हैं परन्तु हर साल पुल पर बने वहां पानी निकासी की व्यवस्था के लिए छिद्र में लंबे समय से साफ सफाई नहीं होने की दशा में एकत्र कचरा एवं मिट्टी पुल के छिद्रों में भर जाया करती है और पुल के ऊपरी हिस्से में बारिश के पानी के डबरे तैयार हो जाते हैं वहीं पुल से स्कूल आने जाने वाले बच्चों एवं पैदल चल रहे राहगीरों को आवाजाही कर रहे वाहनों से पहने हुए कपड़े और यूनिफॉर्म गंदगी से सराबोर पानी से खराब हो रहे जहां नगर परिषद छपारा द्वारा उक्त परेशानियों को शिकायत दर्ज कराने के बाबजूद कोई सुधार कार्य एवं साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होने से आमजन परेशान हैं ज्ञात हो कि लंबे समय तक पुल पर जल

लगातार जल जमाव से पुल की संरचना को पहुंच रही क्षति

नप छपारा द्वारा नियमित साफ सफाई नहीं होने से बढ़ी मुसीबत

जमाव से पुल की संरचना में खतरा बना हुआ है नगर वासियों द्वारा नगर परिषद छपारा से जल्द से जल्द साफ-सफाई एवं सुधार कार्य किए जाने की मांग की गई है।

इंस्पायर अवॉर्ड के लिए केशव यादव का चयन

सिवनी नवभारत। नगर के 200 वर्ष पुराने प्रथम बालक स्कूल हिंदी मेंन बोर्ड माध्यमिक शाला सिवनी के केशव पिता गणपत यादव ने इंस्पायर अवार्ड योजना 2025,26 मैं शामिल होकर बताए गए मॉडल के अनुरूप अपनी प्रस्तुति देकर चयनित किए गए। ज्ञातव्य है कि मॉडल के रूप में मार्गदर्शी का शिक्षिका श्रीमती शशि लखेरा परिहार ने उन्हें नकाबल मार्गदर्शन दिया बल्कि इस योजना के नियमों से भी अवगत कराया जिसके परिणाम स्वरूप दिशा यादव ने सफलता प्राप्त की है ब्लॉक स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता के पश्चात अब

उक्त बालक जिला एवं संभाग स्तर की प्रतियोगिता में भी शामिल होगा उक्त मेधावी छात्र के चयन को लेकर एक स्शाला एक परिसर की प्राचार्य श्रीमती राजेश्वरी धुर्वे शिक्षक टी व्ही शिव श्रीमती आरती पांडे रूपवती डहेरिया सुनीता तिवारी श्रीमती गौर,अंजू धुर्वे श्रीमती सनोदिया,सहित उच्च शिक्षण श्रीमती अकिला खान, साबिर खान, यादुराज उई के, माया गढेवाल, पूजा पांडे, शाहिना परवीन, सहित समस्त स्टाफ ने उक्त छात्र के चयन पर अपनी शुभकामनाएं दी है

आराध्य चतुर्वेदी का आईआईटी में चयन

सिवनी। डी.पी.सी. रोल मॉडल एक्सीलेंस स्कूल, ड्रीमलैंड सिटी, सिवनी के मेधावी छात्र आराध्य चतुर्वेदी का काउंसलिंग के प्रथम चरण में आई.आई.टी. वाराणसी में चयन हुआ है। आराध्य ने JEE में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर शानदार रैंक प्राप्त की। ज्ञात्वय हो कि आपने कक्षा 10वीं एवं 12वीं (गणित) की परीक्षाओं में जिले में प्रथम एवं संभागीय प्रावीण्य सूची में भी अपना स्थान बनाया था। आराध्य ने प्रारंभ से ही विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं एवं प्रतिभा खोज कार्यक्रमों, जैसे ओलंपियाड, इंडियन टैलेंट, विज्ञान मंथन तथा आई.ए.पी.टी जैसी कई परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। आराध्य, डी.पी.सी. ग्रुप के चेयरमैन डॉ. के. के. चतुर्वेदी एवं प्राचार्य डॉ. अमिता चतुर्वेदी के ज्येष्ठ पुत्र हैं।

बदहाली | मुख्य मार्ग से लगी जर्जर चारदीवारी कभी भी गिर सकती है

जर्जर हुए पुलिस क्वार्टर, हादसे को दे रहे आमंत्रण

छपारा नवभारत। जिले का सबसे पुराना गांव के रूप में पहचाने जाने वाला छपारा जो वर्तमान समय में नगर परिषद का तमगा हासिल किए हुए है,जो कि एक समय अनेक रियासतों का केन्द्र बिंदु रहा और आजादी के बाद इस छपारा नगर में पुलिस चौकी का निर्माण किया गया था,निर्माण के उपरांत चौकी में पदस्थ कर्मियों के लिए निवास हेतु भवन बनाए गए थे जो इस समय जर्जर अवस्था में है। और कभी भी गिर सकते है। साथ ही 10-15 कमरों में से कुछ तो गिर कर धराशाही भी हो गये। किंतु विभाग के उच्चाधिकारियों ने इस संबंध में संज्ञान लेना भी उचित नहीं समझा।

गौरतलब है कि इन भवनो में एक समय पुलिस कर्मी परिवार सहित रहते थे, किंतु वर्तमान

समय में इन भवनों की जर्जर अवस्था को देखते हुए वर्तमान समय में पदस्थ पुलिस कर्मी ने इन भवनों के स्थान पर अपने परिवार सहित किराये के मकान में रह रहे हैं,वही वर्तमान समय में छपारा थाने में पदस्थ स्टॉफ के आधे से ज्यादा लोग सिवनी मुख्यालय से प्रतिदिन आना जाना करते हैं।

कुल मिलाकर इन भवनों की हालत इतनी खराब है कि प्रति वर्ष बरसात में धीरे धीरे ढह रहे हैं, वहीं सबसे ज्यादा खतरे की आशंका नगर के अंदर जाने वाले मुख्य मार्ग से लगी पुलिस विभाग की चाहरदिवारी से जो कि अत्याधिक वर्षा में कभी भी गिर सकती हैं जिससे मार्ग अवरुद्ध तो होगा ही साथ वहां से रात दिन गुजरने वालों के लिए भी खतरे का अंदेशा बना हुआ है। जिसको लेकर जनहित में इस ओर विभाग सहित स्थानीय प्रशासन को भी ऐसे जर्जर भवनों को चिन्हित कर सम्बन्धित विभाग से पत्राचार कर इनको डिस्मेंटल करने की कार्यवाही करे। जिसको लेकर नगर वासियों ने भी जनहित में अपील कि है।

> **संज्ञान लेने की मांग**
> वहीं दूसरी ओर पुलिस विभाग की शहर के बीच स्थित उक्त बेशकीमती जमीन पर जो धीरे धीरे अतिक्रमण भी हो रहा हैं खाली उस पर भी रोक लगेगी। अत :नगर वासियों ने जिले के नवागत पुलिस कप्तान से इस मामले को संज्ञान में लेकर उचित कार्यवाही करने हेतु मांग की गई है।

जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला 15 जुलाई को

सिवनी नवभारत। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार जिला प्रशासन, जिला रोजगार कार्यालय सिवनी, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा शासकीय आईटीआई सिवनी के संयुक्त तत्वावधान में युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार 15 जुलाई को प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, सिवनी में जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले का उद्देश्य जिले के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप से जोड़ना है। मेले में देश एवं प्रदेश की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियां साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। इस दौरान ट्रेनी, मशीन ऑपरेटर, सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर, बीमा एजेंट, सेल्स एग्जीक्यूटिव, कॉल सेंटर ऑपरेटर सहित विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान का हुआ समापन

उगली नवभारत। सिवनी जिले की पुलिस थाना उगली के अंतर्गत मोबाइल, फोन, एप्लीकेशन्स व स्मार्टफोन के जरिए होने वाली बैंक धांधली साइबर फ्रॉडिंग को रोकने के लिए विगत एक पखवाड़े से पूरे मध्य प्रदेश में डॉ.मोहन यादव के दिशा निर्देश का पालन करते हुए प्रत्येक जिले के पुलिस अधीक्षक अनुविभागीय अधिकारी थाना प्रभारीयों की सतत निगरानी में 15 दिवसीय एक पखवाड़े के रूप में साइबर सुरक्षा अभियान संचालित किया गया.

प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 जून से 8 जुलाई तक यह विशेष अभियान चलाया गया जिसका उद्देश्य मुख्य रूप से ग्रामीण जन जागरूकता फैलाने के लिये और मोबाइल ठगी कि जैसे साइबर फ्रॉड को रोकने के लिए पुलिस ने जागरूक किया, ऐसे यदि किसी के साथ घटना घटती है, तो तुरंत अपने मोबाइल से 1930 पर काल करके आन लाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं.

इस कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय कार्यालयों, स्कूलों,चौक,चौराहों पर ग्राम पंचायत परिसर में उपस्थित होकर पुलिस थाना उगली के स्टाफ प्रभारी दयाराम शरणागत, उप निरीक्षक सुमेरचंद ऊइके, मेजर,कांस्टेबल,महिला कांस्टेबल की उपस्थिति में गत दिवस उगली स्थित एक निजी शैक्षणिक संस्थान में बच्चों के द्वारा और क्षेत्रीय ग्रामीणों की उपस्थिति में साइबर सुरक्षा अभियान के अंतर्गत रैली निकालकर कार्यक्रम किया गया,